www.livehindustan.com

हिन्दुस्तान

भरोसा नए हिन्दुस्तान का

सोमवार
30 दिसंबर 2024, नोएडा, नगर संस्करण

वर्ष 89, अंक 311, 14 पेज+4 पेज लाइव, मूल्य ₹ 4.00, एचटी एज के साथ ₹ 5.00 एवं हिन्दुस्तान टाइम्स के साथ ₹ 9.50 • पांच प्रदेश • 24 संस्करण

बुमराह 20 की औसत से 200 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने

P-12

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट जाने के लिए सड़कों का जाल बिछेगा

उम्मीदें 2025

उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले गौतमबुद्ध नगर के लिए जहां वर्ष 2024 सुकून भरा रहा, वहीं नववर्ष में नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट शुरू होने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे। जिले को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों से जोड़ने के लिए नए एक्सप्रेसवे और सड़कों का निर्माण होगा।

■ आशीष धामा

ग्रेटर नोएडा। नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को ध्यान में रखते हुए शहर में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए कई सड़कें बनाई जाएंगी। इससे न केवल यातायात सुगम होगा, बल्कि नोएडा, ग्रेनो और यमुना सिटी के बुनियादी ढांचे की तस्वीर भी बदलेगी। सड़क कनेक्टिविटी के लिहाज से आने वाला नया साल जिले के लिए परिवहन के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां से भरा रहेगा। सड़कों के जाल से परिवहन क्रांति को नया मुकाम मिलेगा।

नए साल में जेवर स्थित निर्माणाधीन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से जहां एक ओर यात्री विमान उड़ान भरते दिखेंगे तो वहीं दूसरी ओर अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी का निर्माण भी शुरू हो जाएगा। यह दोनों ही केंद्र और राज्य सरकार के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक हैं। इन परियोजनाओं को विकसित करने के साथ ही क्षेत्र में सुगम यातायात के लिए सड़क और रेल कनेक्टिविटी का भी जाल बिछेगा। कई सड़कों का कार्य तो अब लगभग पूरा होने को हैं, जबकि कई बड़े राष्ट्रीय राजमार्ग धरातल पर उतरने की तैयारी कर चुके हैं।

एयरपोर्ट को उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों और शहरों के साथ ही दिल्ली, हरियाणा, मुंबई, राजस्थान और कोलकाता समेत विभिन्न राज्यों को जोड़ने के लिए रूट चार्ट बनकर तैयार हो चुका है। एयरपोर्ट से जहां जेवर को दुनिया के नक्शे में विशेष दर्जा मिलेगा तो वहीं परिवहन क्रांति के लिए भी यह सबसे उत्तम शहरों की श्रेणी में शुमार हो जाएगा।

इन राज्यों-शहरों से जुड़ेगा एयरपोर्ट

विभिन्न राज्यों को जोड़ने के लिए रूट चार्ट बनकर तैयार हो चुका

सड़क कनेक्टिविटी
- पेरीफेरल रिंग रोड (पूर्वी और पश्चिमी)
- यमुना एक्सप्रेसवे नोएडा से आगरा
- गोल्डन क्वाडिलेटरल उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर
- प्रस्तावित पलवल खुर्जा एक्सप्रेसवे
- दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेसवे का बल्लभगढ़ से लिंक

रेल कनेक्टिविटी
- आरआरटीएस
- पश्चिमी डीएफसी (दादरी), निर्माणाधीन
- पूर्वी डीएफसी (वाया खुर्जा), निर्माणाधीन
- मेट्रो एक्सटेंशन: नोएडा से एयरपोर्ट
- हाईस्पीड रेल लिंक एयरपोर्ट टर्मिनल तक

एयर कार्गो टर्मिनल को भी जोड़ने की तैयारी

यमुना एक्सप्रेसवे से एयर कार्गो टर्मिनल को जोड़ने वाली 8.25 किलोमीटर लंबी सड़क बनाई जाएगी। इसके लिए 178 करोड़ रुपए का प्रस्ताव पास हुआ है। सड़क के कैरिज-वे (जिस हिस्से पर वाहन चलते हैं) की चौड़ाई 18 मीटर रहेगी। कार्गो वाहनों के दृष्टिगत सड़क की कैरिज-वे की चौड़ाई को 14 से 18 मीटर कर दिया है। इसके अलावा एयरपोर्ट को एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए 60 मीटर चौड़ा और 800 मीटर लंबा वीआईपी लूप भी तैयार होना है। लूप पर कैरिज-वे की चौड़ाई 33 मीटर होगी। छह महीने में दोनों मार्ग तैयार होंगे।

यमुना एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा केजीपी

नए साल में यमुना एक्सप्रेसवे को जीरो प्वाइंट से 10 किलोमीटर पर जगनपुर अफजलपुर गांव के पास ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे (केजीपी) से जोड़ने की तैयारी है। एक्सप्रेसवे को जोड़ने के लिए आठ लूप बनेंगे, जो कुल 6.6 किलोमीटर के होंगे। इसका निर्माण एनएचएआई करेगा। दोनों एक्सप्रेसवे जुड़ने से गाजियाबाद, हापुड़ और मेरठ के लोगों को आगरा की ओर जाने के लिए यमुना एक्सप्रेसवे पर चढ़ने के लिए ग्रेटर नोएडा में परी चौक तक जाना पड़ेगा। यह कनेक्टिविटी होने से इन जिलों के वाहन दुहाई और डासना से ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने के बाद सीधे यमुना एक्सप्रेस-वे पहुंच सकेंगे। साथ ही मथुरा, आगरा की ओर से आने वाले यात्रियों को पेरीफेरल पर चढ़ने के लिए 20 किलोमीटर का चक्कर नहीं लगाना होगा। फिलहाल दोनों एक्सप्रेसवे के बीच कोई लिंक नहीं है। बता दें कि यह निर्माण कार्य आगामी नववर्ष में ही पूरा किया जाना है।

राहत नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट को ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाला इंटरचेंज का निर्माण पूरा हो गया।

2414
करोड़ की लागत से 31 किलोमीटर लंबा ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण हो रहा

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने को इंटरचेंज तैयार

एयरपोर्ट को दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए एनएचएआई, भारतमाला परियोजना के तहत 2414 करोड़ की लागत से 31 किलोमीटर लंबा छह लेन का ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण कर रहा है। यह एक्सप्रेसवे हरियाणा की सीमा में 22 किलोमीटर और जेवर की सीमा में नौ किलोमीटर लंबा है। नौ किलोमीटर का हिस्सा जेवर में छह गांव की जमीन पर बन रहा है। ग्रीन फील्ड एक्सप्रेसवे के रास्ते ही एयरपोर्ट को यमुना एक्सप्रेसवे से जोड़ने के लिए दयानतपुर गांव के पास इंटरचेंज का निर्माण किया गया हैं, जो पूरा हो चुका है। इंटरचेंज बनने के बाद नोएडा, दिल्ली, गाजियाबाद, गुरुग्राम, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे एनसीआर और आगरा, मथुरा तक के लोगों के लिए एयरपोर्ट की सीधी कनेक्टिविटी हो जाएगी।

गंगा एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा एयरपोर्ट

नोएडा एयरपोर्ट को 83 किलोमीटर लंबे लिंक एक्सप्रेसवे के जरिए गंगा एक्सप्रेसवे से जोड़ा जाएगा। इस मार्ग का निर्माण होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, मेरठ, बुलंदशहर सहित 22 जिलों के लोगों को एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। साथ ही उत्तराखंड के लोग भी एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। लिंक एक्सप्रेसवे के लिए भूमि का सर्वेक्षण हो गया है। सर्वेक्षण में लिंक एक्सप्रेसवे के लिए तैयार संरेक्षण (एलाइनमेंट) एयरपोर्ट के विस्तार के लिए अधिगृहीत जमीन से गुजर रहा है। बुलंदशहर और गौतमबुद्ध नगर के 57 गांवों की जमीन पर लिंक एक्सप्रेसवे बनेगा। इसके लिए एक हजार हेक्टेयर जमीन खरीद पर चार हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे।

शेष सड़क बनाने के लिए वार्ता शुरू

ग्रेटर नोएडा वेस्ट के गौर सिटी चौक से सिरसा तक 25 किलोमीटर लंबी और 30 मीटर चौड़ी सड़क बनी हुई हैं। इसे यमुना क्षेत्र में 38 किलोमीटर और अधिक बढ़ाया जाना है, जिसकी चौड़ाई 120 मीटर होगी। यह सड़क कार्गो टर्मिनल के द्वार के सामने से होते हुए प्रस्तावित खुर्जा-पलवल एक्सप्रेसवे से जुड़ेगी। सड़क यमुना एक्सप्रेसवे के सामांतर बनाई जानी है। इस 38 किलोमीटर लंबी सड़क का यमुना प्राधिकरण क्षेत्र में करीब 29 किलोमीटर का निर्माण पूरा हो चुका है, लेकिन यह सड़क टुकड़ों में बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद प्राधिकरण ने शेष 9.5 किलोमीटर सड़क बनाने के लिए किसानों के साथ वार्ता करनी शुरू कर दी है।

नमो भारत के साथ रेल से भी जुड़ाव होगा

- दिल्ली-मुंबई और दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग से जुड़ेगा एयरपोर्ट, इसके लिए चोला से रुंधी तक 61 किलोमीटर लंबी लाइन बिछेगी। यमुना के ऊपर पुल से गुजरकर एयरपोर्ट तक पहुंची रेल।
- गाजियाबाद आरआरटीएस से ग्रेनो वेस्ट वाया परी चौक होते हुए जेवर एयरपोर्ट तक शुरू होगी नमोभारत और मेट्रो ट्रेन। 72.4 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड ट्रैक पर 22 स्टेशन बनेंगे।
- अंतरराष्ट्रीय फिल्म सिटी से एयरपोर्ट तक लाइट रेल ट्रांजिट (एलआरटी) चलेगी, एलआरटी के लिए अलग से ट्रैक नहीं होगा, यह नमो भारत और मेट्रो के साथ ही उसी ट्रैक पर चलेगी।
- एयरपोर्ट से दिल्ली के आईजीआई की कनेक्टिविटी के लिए ऐरो सिटी से कालिंदी कुंज तक पांच किलोमीटर लंबी मेट्रो लाइन का विस्तार होगा। इसके बाद नोएडा, ग्रेनो और दिल्ली तक सफर आसान होगा।

संपर्क मार्ग से यातायात सुगम होगा

- उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, महाराष्ट्र समेत कई राज्य के लिए सीधी कनेक्टिविटी होगी
- नमो भारत, मेट्रो और आधुनिक एलआरटी समेत रेलमार्ग से एयरपोर्ट पहुंचना आसान होगा

"एयरपोर्ट के लिए मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी का जाल बिछेगा। यहां हवाई, सड़क और रेल मार्ग के जरिए यातायात को सुगम बनाने की तैयारी है। अधिकांश परियोजनाओं की डीपीआर तक तैयार हो चुकी है।
-डॉ. अरुणवीर सिंह, सीईओ यमुना प्राधिकरण